*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

4

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण कक्षा-4

अध्याय-1 : भाषा और व्याकरण

(क) 1. ब 2. स 3. अ 4. ब 5. स 6. ब

(ख) 1. भाषा 2. फ़ारसी 3. देवनागरी 4. मौखिक रूप 5. बोली

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗

लिखित:

(क) 1. 'भाषा' वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों को दूसरों के सामने प्रकट करता है और दूसरों के विचार समझ पाता है।

2. भाषा के क्षेत्रीय रूप को 'बोली' कहते हैं।
3. किसी भाषा को लिखने की विधि 'लिपि' कहलाती है।
4. 'व्याकरण' वह शास्त्र है, जिसके द्वारा भाषा के नियमों और व्यवस्थाओं का ज्ञान प्राप्त होता है।

(ख) 1. विचारों को जब लिपिबद्ध किया जाता है, तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है। इसे 'लिखित भाषा' कहते हैं।

2. जब मुख से बोलकर विचार प्रकट किए जाते हैं, तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है। इसे 'मौखिक भाषा' कहते हैं।
3. 'शब्द-विचार' के अंतर्गत शब्दों के रूप, भेद, महत्त्व, उनकी उत्पत्ति और रचना आदि पर विचार किया जाता है।
4. 'वर्ण-विचार' के अंतर्गत वर्णमाला, वर्णों के भेद, उनके उच्चारण तथ संयोग आदि पर विचार किया जाता है।
5. 'वाक्य-विचार' के अंतर्गत वाक्य-भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य रचना तथा विराम चिह्न आदि पर विचार किया जाता है।

(ग) 1. स 2. य 3. द 4. अ 5. ब

विविध:

(क) 1. किसी भी भाषा के सब नियमों को एकत्र करना, उन्हें पाठकों को समझाना और भाषा का मानक रूप स्थापित करना– यह सारा कार्य व्याकरण करता है। इस प्रकार व्याकरण भाषा को सीमा में बाँधता है।

2. व्याकरण के मुख्यत: तीन अंग होते हैं– वर्ण विचार, शब्द विचार और वाक्य विचार। इन्हीं के आधार पर व्याकरण भाषा के लिए नियम बनाता है।

(ख) 1. लिखित 2. मौखिक 3. मौखिक 4. मौखिक 5. लिखित 6. मौखिक

अध्याय-2 : वर्ण विचार

(क) 1. अ 2. स 3. ब 4. ब 5. स

(ख) 1. ग्यारह 2. इ 3. ल 4. अधिक 5. ह्रस्व

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

लिखितः

(क) 1. वह छोटी-से-छोटी ध्वनि, जिसके खंड न किए जा सकें, 'वर्ण' कहलाती है। वर्ण के भेद– स्वर, व्यंजन। स्वरः अ, आ, इ आदि। व्यंजनः क, ख, ग आदि।

2. किसी भाषा के वर्णों का व्यवस्थित व क्रमबद्ध रूप 'वर्णमाला' कहलाता है। वर्णमाला में 11 स्वर, 2 अयोगवाह, 33 व्यंजन होते हैं।

3. स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले या बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण 'स्वर' कहलाते हैं।
   भेद – ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत

4. जब कोई स्वर व्यंजन से पहले प्रयुक्त होता है, तो उसका रूप अपरिवर्तनीय होता है, परंतु व्यंजन के बाद आने वाले स्वर का रूप बदल जाता है। इस बदले हुए रूप को 'मात्रा' कहते हैं।

5. जिन वर्णों को उच्चारण करते समय, मुख से निकलने वाली वायु के मार्ग में रुकावट आती है, उन्हें 'व्यंजन' कहते हैं।
   भेदः स्पर्श, अंतःस्थ, ऊष्म

(ख)

		संयुक्त व्यं॰	द्वित्व व्यं॰
1. पक्का	यक्ष	क्ष	क्का
2. बुग्गी	चम्मच	–	ग्ग, म्म
3. श्रवण	पत्र	श्र, त्र	
4. मिट्टी	पत्ता		ट्टा, त्त
5. यज्ञ	गन्ना	ज्ञ	न्न
6. विद्या	छप्पर		प्प

(ग) 1. अनुस्वार, 2. अनुनासिक, 3. अनुनासिक, 4. अनुनासिक, 5. अनुनासिक
6. अनुस्वार, 7. अनुस्वार, 8. अनुनासिक, 9. अनुस्वार, 10. अनुनासिक
11. अनुनासिक, 12. अनुनासिक

(घ) ड – डमरू, गड्डा, डंडी, डसना
ड़ – पड़, सड़क, लड़ना, बड़ा
ढ – ढक्कन, ढकना, गड्ढा, ढोल

ढ़ – पढ़ाई, चढ़ाई, पढ़, चढ़ा

विविधः

1. **क** वर्ग – क ख ग घ ङ **ट** वर्ग – ट ठ ड ढ ण **प** वर्ग – प फ ब भ म
2. चम्मच, मरम्मत, धक्का, खट्टा, मिट्टी
3. क्षमा, परीक्षा, मित्र, ज्ञानी, श्रम
4. अनुस्वार – पतंग, रंगीला, कंकड़ अनुनासिक – दाँत, काँटा, माँ

अध्याय-3 : शब्द विचार

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. स 5. अ 6. ब

(ख) 1. अनेकार्थी 2. तद्भव 3. यौगिक 4. परिवर्तनीय 5. अपरिवर्तनीय

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

लिखितः

(क) 1. एकार्थी, अनेकार्थी, समानार्थी तथा विपरीतार्थी शब्द।

2. रूढ़, योगिक, योगरूढ़ तथा संकर शब्द।
3. जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, कारक आदि के अनुसार परिवर्तन या विकार आ जाता है, उन्हें 'विकारी शब्द' कहते हैं।
   संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया।
4. जिन शब्दों के रूपों में किसी भी कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, वे 'अविकारी शब्द' होते हैं।
   क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक।

(ख) 1. जिन शब्दों का प्रयोग एक ही अर्थ में किया जाता है, वे 'एकार्थी शब्द' कहलाते हैं। जैसेः मोहन, राधा, रोटी आदि।

2. जो शब्द प्रयोग के अनुसार विभिन्न परिस्थितियों में भिन्न-भिन्न अर्थ देते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं। जैसेः नग, वृक्ष, पर्वत, नगीना
3. जो शब्द देश की विभिन्न बोलियों से हिंदी में स्थान पा गए हैं, 'देशज शब्द' कहलाते हैं। जैसेः डिबिया, बैंगन, झंकार आदि।

(ग) 1. र 2. ल 3. ष 4. व 5. श 6. अ
7. ब 8. स 9. द 10. य

विविधः

(क) रूढ़ – सत्य, सूर्य, कमल
यौगिक – भोजनालय, रसोईघर, जन्मभूमि

योगरूढ – पंकज, नीरज, जलज, जलद, नीलकंठ

(ख) तत्सम – आम्र, अग्नि, अज्ञान, हिंदी, मराठी

तद्भव – आम, काँटा, हाथ, खीर, इमली

देशज – कटोरा, चिड़िया, खिचड़ी, खिड़की, पगड़ी

विदेशी – चश्मा, डॉक्टर, बम, इरादा, इशारा

अध्याय-4 : शब्द भंडार

(क) 1. अ 2. ब 3. ब 4. स 5. ब 6. स
7. ब 8. स

(ख) 1. स 2. य 3. अ 4. ब 5. द

लिखित:

(क) 1. निशा, रजनी 2. शुक, करि 3. कपोत, पारावत
4. परमात्मा, भगवान 5. जल, नीर

(ख) 1. अनुपयुक्त 2. आलसी 3. प्रकट 4. विष 5. पराजय 6. दुराचारी

(ग) 1. रस्सी, विशेषता 2. गिनती का अंक, गोद 3. हाथ, किरण
4. समूह, पक्ष 5. पराजय, गले में पहनने का हार

विविध:

1. प्रभु, ईश्वर 2. नृप, नरेश 3. जल, नीर 4. सूर्य, दिवाकर 5. कमल, जलज

अध्याय-5 : संज्ञा

(क) 1. ब 2. अ 3. ब 4. ब 5. स

(ख) 1. कमीज़ 2. दिल्ली 3. चीन 4. हाथीदाँत 5. आम
6. बादल 7. पशु

(ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✓

लिखित:

(क) 1. थकावट, मजदूर 2. आलस 3. छत, पक्षी, दाना
4. गाँव, साठ 5. ताजमहल, सुंदरता

(ख) 1. जयपुर, राजस्थान 2. विभीषण, रावण 3. अशोक
4. कृष्ण, कंस 5. भारतवर्ष 6. लाला लाजपतराय

(ग) 1. गरीबी, ईमानदारी 2. सफ़लता 3. निर्धनता

4. सज्जनता 5. मिठास, खटास

(घ) 1. पुस्तकें 2. देश 3. बाग, फलों 4. बिल्ली, चूहे 5. घोड़ा, हाथी

(ङ) 1. चोर 2. निकटता 3. अपनापन 4. दुष्टता 5. पढ़ाई

6. मनुष्यता 7. सुंदरता 8. मिठास 9. चौड़ाई 10. दूरी

विविध:

जातिवाचक: राजधानी, टीवी, ईश्वर, मेला, भीड़, चाँदी

व्यक्तिवाचक: दिल्ली, नेपाल

भाववाचक: पवित्रता, बुढ़ापा

अध्याय-6 : लिंग

(क) 1. ब 2. स 3. अ 4. ब 5. अ 6. ब

(ख) 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. पुल्लिंग 4. नदियों 5. पुल्लिंग

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

लिखित:

(क) 1. अध्यापक छात्रों को पढ़ा रहा है।

2. लड़कियाँ मैदान में खेल रही हैं।

3. चाचीजी दादीजी के साथ गाँव गई हैं।

4. पेड़ पर मादा उल्लू बैठी है।

5. दीवार पर न छिपकली है।

(ख) 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. स्त्रीलिंग 4. स्त्रीलिंग 5. पुल्लिंग

(ग) 1. मादा चीता 2. स्वामिनी 3. अभिनेत्री 4. विदूषी 5. गुणवती

(घ) 1. वर 2. मोर 3. रूपवान 4. भाई 5. बैल

विविध:

पुल्लिंग : लोटा, गुड्डा, धोबी, नौकर, बंदर, सुनार, हंस, हाथी, श्रीमान, चूहा

स्त्रीलिंग : अभिनेत्री, नागिन, बुढ़िया, गुड़िया, स्त्री, शेरनी, सेठानी, मोरनी, बुद्धिमती

अध्याय-7 : वचन

(क) 1. ब 2. ब 3. स 4. ब

(ख) 1. लड़की 2. माताएँ 3. गौएँ 4. चाबियाँ 5. आँसू

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

लिखित:

(क) 1. रातें 2. लेखिकाएँ 3. डिबियाँ 4. वस्तुएँ 5. धोतियाँ
6. नारियाँ 7. चुहियाँ 8. अमीर लोग

विविध:

1. पानी, सोना, चाँदी, घी।
2. आँसू, लोग, प्रजा, हस्ताक्षर।
3. डिबियाँ, गुलदस्ते, कलमें, आँखें, बहुएँ, संतजन, पाठकगण

अध्याय-8 : कारक

(क) 1. ब 2. अ 3. ब 4. ब 5. ब

(ख) 1. ने 2. ने, को 3. पर 4. के लिए 5. का

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

लिखित:

(क) कर्त्ता-ने, कर्म-को, करण-से, संप्रदान-के लिए, अपादान-से, संबंध-का, के, की रा, रे, री, अधिकरण-में, पर, संबोधन-हे, अरे!

(ख) 1. नदी तट पर 2. मीरा के 3. पेड़ से 4. स्कूल को/में 5. हरिया की

(ग) 1. राम ने चित्र बनाया। 2. रवि को खाना दे दो।
2. सीमा से पूछो उसका घर कहाँ है।
4. मैं पिताजी के लिए दवाई लाई।
5. वृक्ष पर कोयल बैठी है।

विविध:

1. संप्रदान 2. संबोधन 3. अधिकरण 4. अधिकरण 5. करण

अध्याय-9 : सर्वनाम

(क) 1. अ 2. स 3. अ 4. अ 5. अ

(ख) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓

(ग) 1. प्रश्नवाचक 2. निजवाचक 3. अनिश्चयवाचक 4. पुरुषवाचक 5. संबंध

(घ) 1. कोई 2. कुछ 3. तू 4. मैं 5. वह

लिखित:

(क) 1. कुछ, कोई 2. स्वयं, आप 3. मैं, तुम 4. यह, वह 5. क्या, क्यों

(ख) 1. मैंने अपना काम कर लिया। 2. तू अपना काम कर।

2. किसने मेरा पेन लिया है? 4. मैंने जो लिखा, किसी ने पढ़ा तो नहीं है।

5. उसने मेरी पुस्तक ली है।

विविध:

1. आप, किसको 2. कौन 3. कोई 4. जिसकी, उसकी 5. वह

6. हम 7. किसने 8. उसे, कुछ 9. वह, खुद 10. मैं, यह, स्वयं

अध्याय-10 : विशेषण

(क) 1. अ 2. स 3. अ 4. ब 5. अ

(ख) 1. भारतीय 2. गुणी 3. दोषी 4. विषैला 5. वैज्ञानिक

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓

लिखित:

(क) 1. चतुर 2. असंख्य 3. कुछ 4. पाँच 5. काली

विविध:

1. गुणवाचक : ऊँचा, मीठा परिणामवाचक : 1 लीटर, थोड़ा
2. विशेषण : रंग-बिरंगा, गहरी, सफ़ेद, सुंदर
   विशेष्य : मोर, खाई, कबूतर, घर

अध्याय-11 : क्रिया तथा काल

(क) 1. स 2. स 3. ब 4. ब

(ख) 1. जा रही है 2. गया 3. पढ़ेगा

(ग) 1. ✓ 2. ✓

(घ) 1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल 4. भूतकाल

5. भूतकाल 6. भविष्यत् काल 7. भूतकाल 8. वर्तमानकाल

9. भूतकाल 10. भविष्यत्काल

लिखित:

(क) 1. बच्चा सो रहा था।

2. राजीव पत्र लिख रहा हैं

3. बंदर पेड़ पर चढ़ेगा।

4. नौकरानी ने कमरा साफ़ किया

5. मैं विद्यालय जा रहा हूँ।

(ख) सकर्मक : 2, 3, 4

अकर्मक : 1, 5

(ग) 1. लाया 2. पकड़ा 3 खेल रहा था 4. खाया

5. लिखूँगा 6. बनाएगा

विविध:

1. भूतकाल: क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय में कार्य के होने का बोध होता हो, उसे 'भूतकाल' कहते हैं। जैसे: रवि ने किताब पढ़ी।
   वर्तमानकाल: क्रिया के जिस रूप से कार्य के वर्तमान समय में होने का बोध हो, उसे 'वर्तमानकाल' कहते हैं। जैसे: वह घर जा रहा है।
   भविष्यत् काल: क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय में कार्य होने का बोध हो, उसे 'भविष्यत् काल' कहते हैं। जैसे: मैं कल जयपुर जाऊँगी।
2. यह प्रश्न विद्यार्थी अपनी कल्पना के अनुसार स्वयं करेंगे।

अध्याय-12 : अविकारी शब्द

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. स 5. अ 6. ब

7. स 8. अ

(ख) 1. अव्यव 2. नहीं बदलता 3. विस्मयादिबोधक

(ग) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗

(घ) 1. और 2. या, या 3. परंतु 4. यथापि

(ङ) 1. राम-राम 2. वाह-वाह 3. अरे 4. छि: 5. ठीक है

(च) 1. आगे-आगे, पीछे-पीछे 2. सहसा 3. अचानक

4. खोया हुआ 5. ध्यानपूर्वक

(छ) 1. के आगे 2. के पश्चात् 3. के मारे 4. से पहले 5. की ओर

लिखित:

(क) 1. पहले, बाद में, ऊपर, बहुत

2. तेज़, धीरे-धीरे, प्रतिदिन, अवश्य

3. के बाद, के पास, की ओर, के लिए

4. और, इसलिए, बल्कि, क्योंकि

5. अरे, छिः, वाह, ओह

(ख) 1. मेरे घर के सामने हलवाई की दुकान है।

2. बगीचे के पीछे जंगल है।

3. भीतर आ जाइए।

4. चूँकि मैं बीमार हूँ, इसलिए काम पर नहीं जा सकता।

5. खाना ठीक से खा लेना, ताकि रास्ते में भूख न लगे।

विविधः

विस्मयबोधक : अरे! कैसा दृश्य है। बाप रे! कितनी अजीब है यह।
घृणाबोधकः छिः कितनी बदबू आ रही है। दुर्-दुर् कितनी गंदी जगह है।
भयबोधक : अरे! यह तो खतरे से खाली नहीं।
हाय राम! अब क्या होगा?

अध्याय-13 : विराम चिह्न

(क) 1. स 2. अ 3. ब 4. स 5. स

लिखितः

(क) सीमा खाना बना रही है । वाह! मजा आ गया।

क्या सीमा खाना बना रही है? रीता, मीता और सीता खेल रही थीं।

(ख) 1. जहाँ वाक्य की गति अंतिम रूप ले ले, वहाँ पूर्ण विराम का प्रयोग किया जाता है। जैसेः बादल गरज रहे हैं।

2. तुम्हारा क्या नाम है? वह क्यों रो रही है?

3. हाँ, वही मेरा मित्र है।

जो व्यक्ति वहाँ बैठा है, वही मेरे घर आया था।

(ग) 1. जल्दी करो, रेलगाड़ी छूट जाएगी।

2. संयम चरित्र का आभूषण है।

3. भाइयों! मैं आपका भला चाहता हूँ।

4. आप किससे मिलना चाहते हैं?

5. बरतन, बिस्तर, चारपाई, वस्त्र, अलमारी, रेडियो, टी वी, सिलाई मशीन वह सब खरीद लाया।

अध्याय-14 : विराम चिह्न

(क) 1. ब 2. स 3. द 4. ब 5. स

लिखितः

(क) 1. साफ़ बचना 2. बहुत प्यारा 3. क्रोध को बढ़ाना
2. अपना काम निकालना 5. हारकर भागना

विविधः

1. आग-बबूला होना 2. नौ दो ग्यारह हो जाना
3. नाक में दम करना 4. तारे तोड़कर लाना 5. आँखों का तारा

अध्याय-15 : अशुद्धि शोधन

1. 1. गाँव 2. तिथि 3. सोमवार 4. पौधा 5. प्रशंसा 6. प्रभाव
2. 1. वहाँ पर मत रखो। 2. बाग में सुंदर फूल खिले हैं।
3. तुम माँ को सेब काटकर खिलाओं।
4. छत पर मत खेलो। 5. चित्र में रंग भरो।
3. 1. मूर्ख 2. कोशिश 3. त्योहार 4. साप्ताहिक 5. चिड़िया

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com